<u>पशु कल्याण विभाग संक्षिप्त परिचय</u>

नगर निगम लखनऊ के पशु कल्याण विभाग द्वारा निम्नलिखित कार्य किये जाते हैं:—

- <u>आवारा पशु नियंत्रण/निराश्रित गोवंश संरक्षण</u>
  - क्रियाशील कैटिल कैचर वाहन की सं0—09
  - बीमार पशु वाहन—04
  - मृत पशु वाहन—04
- <u>गौशाला संचालन</u>
- गौशालाओ की सं0—03
  - **कान्हा उपवन गौशाला,** नादरगंज इण्डस्ट्रियल एरिया सरोजिनीनगर, लखनऊ
  - **राधा उपवन गौशाला**, सुगामऊ रोड, जरहरा, इन्दिरानगर, लखनऊ
  - **श्री लक्ष्मण गौशाला**, इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा, जानकीपुरम, लखनऊ, (संचलनकर्ता— सुरभि शोध संस्थान)
- <u>पलतु पशु पंजीकरण—गाय तथा श्वान</u>
  - पालतु श्वान लाइसेंस (फीस— रु. 1000/200) हेतु सम्पर्क सूत्र— 9511156792 (श्री जयन्त सिंह)
    नोट—200 वर्ग मी0 आवासीय क्षेत्रफल तक अधिकतम 02 श्वान तथा 200 से 400 वर्ग मी0 आवासीय क्षेत्रफल तक अधिकतम 04 श्वान
  - दुधारु गाय लाइसेंस (फीस— रु. 500) हेतु सम्पर्क सूत्र—9721095021 (श्री अफसर अली)
- <u>श्वान बंध्याकरण तथा एंटी रैबीज टीकाकरण</u>
- <u>अवैध डेरी उन्मूलन अभियान</u>
- <u>मीट/मांस की दुकानो को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना</u>
- <u>बडे मृत पशु शव निस्तारण</u>
- <u>पशु सम्बंधी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण</u>
- <u>कॉजीहाउस संचालन</u>
- कॉजीहाउस की संख्या—04
  - **ऐशबाग**, निकट लकड़मण्डी फ्लाई ओवर के बगल मे, लखनऊ
  - **पी0जी0आई0**, पी0जी0आई0 कैम्पस, लखनऊ
  - **ठाकुरगंज**, ठाकुरगंज थाने के पीछे, लखनऊ
  - **आलमनगर**, धनियामहरी फ्लाई ओवर के नीचे, लखनऊ
- <u>नगर निगम सीमा अंतर्गत घायल, बीमार, दुर्धटनाग्रस्त गोवंशीय पशुओं की चिकित्सा कान्हा उपवन चिकित्सालय के माध्यम से की जाती है।</u>
- पशुधन कल्याण कोष, नगर निगम लखनऊ (Pashudhan Kalyan Kosh, Nagar Nigam Lucknow) बैंक खाता विवरण निम्नवत है:—

Account No.- 0276104000193054
IFSC Code- IBKL0000276
बैंक का नाम/ब्रांच— IDBI, Sneh Nagar Alambagh, Lucknow.
अधिक जानकारी के लिए, श्री अनुज सिंह (मो0 नं0—9628407979) पर सम्पर्क किया जा सकता है।

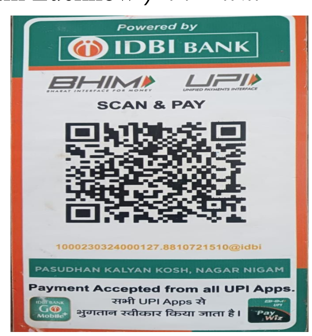

- गैशाला में देशी गाय के गोबर से लट्ठे, उपले, दिये, मूर्ति, गोनाईल, हवन सामग्री भी तैयार की जाती है।
  - गो उत्पाद क्रय करने हेतु श्री सोनू सिंह (मो0—9451149355) से सम्पर्क किया जा सकता है।

<u>अपर नगर आयुक्त— डॉ0 अरविन्द कुमार राव</u>

<u>विभागाध्यक्ष— डॉ0 अभिनव वर्मा, पशु कल्याण अधिकारी</u>

कैटिल कैचिंग विभाग (प्रगति विवरण)

* लखनऊ नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत गैर संरक्षित पशुओं के विनियमन की कार्यवाही कैटिल कैचिंग विभाग द्वारा की जाती है।
* कैटिल कैचिंग विभाग द्वारा कुल 10820 ॲवारा/छुट्टा पशुओं को पकड़कर कान्हा उपवन गौशाला/लक्ष्मन गौशाला/राधा उपवन गौशाला/कॉजीहाउस में निरूद्ध किया गया है।

<u>कान्हा उपवन गौशालाः—</u>

लखनऊ नगर निगम द्वारा चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के निकट नादरगंज स्थित सरोजनीनगर, लखनऊ में 53 बीघा नगर निगम की भूमि पर निराश्रित/ॲवारा एवं दुर्घटनाग्रस्त व अन्य गौवंशीय पशुओं के इलाज इत्यादि के लिए रखे जाने एवं आजीवन भरण—पोषण हेतु कान्हा उपवन गौशाला का निर्माण कराया गया है, जिसमें नगर निगम सीमा के अन्तर्गत पकड़े गये गोवंशीय पशुओं को रखकर उनका भरण—पोषण किया जा रहा है।

वर्तमान में कान्हा उपवन गौशाला में 3238 सॉड़, 5539 गाय, 1061 बछडा/बछिया कुल 9838 गोवंशीय पशुओं को रखकर उनका भरण—पोषण किया जा रहा है। कान्हा उपवन में कुल 28 बाड़े है, इन बाड़ों में नर, मादा, बड़े, छोटे, गर्भवती एवं माँ संग बच्चों को अलग—अलग बाड़ों में रखने की व्यवस्था है जिससे हर प्रकार से सभी का समुचित व बेहतर संरक्षण हो सके। सम्सत गोवंशी पशुओं के भोजन व साफ—सफाई की व्यवस्था हेतु लगभग 254 कर्मचारी चौबीसों घंटे उपलब्ध रहते हैं।

कान्हा उपवन गौशाला में रखे गये पशुओं की देख—रेख, भरण—पोषण, इलाज आदि के कार्यो को सुचारू रूप से संपादित किये जाने हेतु वहॉ पर पशु चिकित्सक, प्रबन्धक, फार्मासिस्ट, सुपरवाईजर, ड्रेसर, श्रमिक, बाउन्सर, सुरक्षा गार्ड़, मजदूर व अन्य कर्मियों को रखा गया गया है।

<u>बायोंगैस प्लान्टः—</u>

कान्हा उपवन गौशाला में रखे गये पशुओं से निकलने वाले गोबर से बायोंगैस बनाये जाने हेतु बायोगैस संयत्र लगाया गया है, जिससे वहॉ पर रहने वाले श्रमिक परिवारों को प्रकाश की व्यवस्था एवं खाना बनाने हेतु गैस की सप्लाई की जाती है, उक्त संयत्र की गैस से डीजल मिक्स कर जनरेटर भी संचालित है।

कान्हा उपवन गौशाला में पशुओं के आहार हेतु पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ आहार हर समय उपलब्ध रहे इस हेतु भूसा व चोकर के भंडारण हेतु पाँच गोदामों का निर्माण कराया गया है तथा गौशाला के पशुओं की पेयजल व्यवस्था हेतु हेतु चार ट्यूबवेल लगाए गए है तथा हरियाली को बढाये जाने हेतु गौशाला के अन्दर पार्क एवं नर्सरी तथा पौध संरक्षण गृह का भी निर्माण कराया गया हैं।

भूसा गोदाम

भूसा गोदाम

कान्हा उपवन गौशाला में अध्यात्मिक दृष्टि से यहाँ पर ध्यान केन्द्र व नवग्रह वाटिका तथा मानव भोजन की व्यवस्था हेतु अन्नपूर्णागृह भी स्थापित है।

कान्हा उपवन गौशाला में सुरक्षा की दृष्टि से सम्पूर्ण परिसर को कवर करते हुये चौबीसों घंटे सी–सी टीवी कैमरे से निगरानी की व्यवस्था भी कराई गयी है।

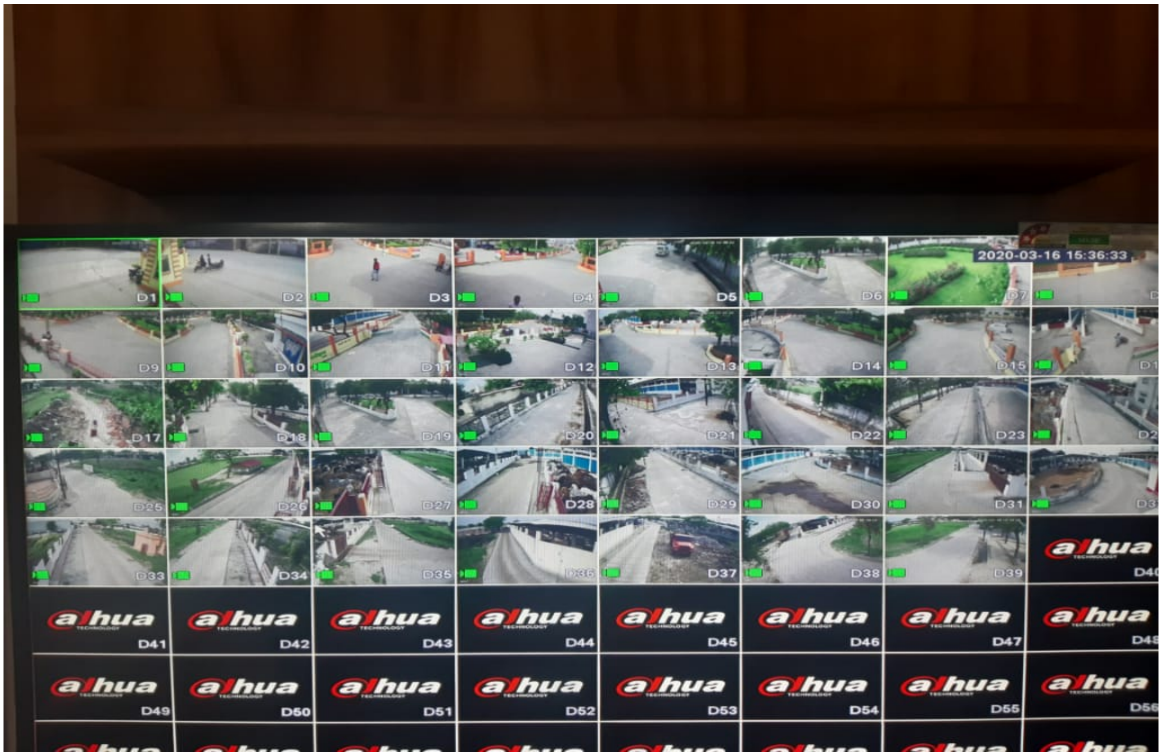

<u>गौशाला परिसर स्थित पशुचिकित्सालय</u>

कान्हा उपवन गौशाला परिसर में सिद्धार्थ पशु–पक्षी चिकित्सालय की भी व्यवस्था है। यहाँ पर चौबीसो घंटे तीन पशुचिकित्सक व बीस पैरामेडिकल स्टाफ अपनी सेवाएँ कान्हा उपवन के बीमार पशुओं हेतु उपलब्ध कराते हैं, इस चिकित्सालय द्वारा सम्पूर्ण नगर निगम सीमा के दुर्धटनाग्रस्त एवं बीमार गोवंशी पशुओं के लिए निःशुल्क आपातकालीन सेवाएँ भी दी जाती हैं जिसके लिए नगर निगम लखनऊ द्वारा दो गोवंशीय एम्बुलेंस लखनऊ नगर निगम सीमा में चौबीसों घंटे अपनी सेवाएँ देती है।

<u>गो–उत्पाद</u>

कान्हा उपवन गौशाला में गोबर से स्वालम्बन की ओर ले जाने हेतु गैस उपयोग के उपरान्त गोबर की निकलने वाली स्लरी से जैविक खाद तैयार की जाती है जो आय का एक स्रोत बनता है।

<u>वर्मी कम्पोस्ट खाद</u>

कान्हा उपवन में गाय के गोबर से केचुआ खाद का उत्पादन भी कराया जाता है जिसे नगर निगम के पार्को व नर्सरियों को अच्छी जैविक खाद उपलब्ध होती है तथा आय का एक स्रोत भी बनता है।

गौ कास्ट (गोबर की लकडी)

कान्हा उपवन गौशाला में मशीन द्वारा गोबर से लकड़ी (कन्ड़े) भी बनाये जा रहे हैं, जिसका प्रयोग शवदाह एवं अन्य कार्यों में उपयोगी है। गोबर की लकड़ी (कन्ड़े) का शवदाह हेतु उपयोग होने से कई फायदे हैं जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं वातावरण भी शुद्ध होगा।

धूपबत्ती

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से कान्हा उपवन गौशाला में कार्य कर रहे श्रमिकों की महिलाओं द्वारा गोबर से धूप बत्ती बनाने का कार्य भी किया जाता है।

निराश्रित गोवंश के दूध से आय

नगर निगम की सीमा से आवारा रुप से विचरण करने वाले गोवंश से प्राप्त होने वाले दूध को भी विक्रय किया जाता है, जो गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने हेतु एक कदम है।

निराश्रित गोवंश के गोबर से आय

नगर निगम की सीमा से आवारा रुप से विचरण करने वाले गोवंश से उतपन्न होने वाले गोबर को रिलाइन्स इण्डस्ट्रीस को रु0—247.00 प्रति टन पर विक्रय किया जाता है।

वृक्षा रोपण :—

कान्हा उपवन गौशाला परिसर में मिया वॉकी पद्यति से वृक्षा रोपण का कार्य कराया गया।

परिसर स्थित (कैन्टीन) अन्नपूर्णाग्रह

कान्हा उपवन गौशाला परिसर में पशुओं की देख रेख हेतु श्रमिकों के भोजन आदि की व्यवस्था के लिए वहॉ पर अन्नपूर्णाग्रह का निर्माण कराया गया है जहॉ पर श्रमिकों से सुबह शाम नाश्ता व भोजन आदि के लिए मात्र 1000 रूपये शुल्क लिया जाता है। बायोगैस लान्ट से निर्मित बायोगैस का उपयोग कैन्टीन एवं परिसर में निवास कर रहे 120 श्रमिक परिवारों हेतु भोजन पकाने के लिए किया जाता है जो इन्हे निः शुल्क प्रदान की जाती है

<u>गो–उत्पाद (दुग्ध) :–</u>

कान्हा गौशाला की दूध देने वाली लगभग 70 गायों से प्रतिदिन 170–180 ली0 के लगभग दूध प्राप्त होता है जिसे गौशाला की कैन्टीन एवं गौशाला में निवास कर रहे श्रमिक परिवारों को उनके बच्चों को पीने हेतु निः शुल्क दिया जाता है। गायों से प्राप्त होने वाले गोबर को राजकीय उद्यानों को उनकी मॉग के अनुसार उपलब्ध कराया जाता है तथा शेष बचे गोबर को नगर निगम के अन्य गौशालाओं हेतु चिहिन्त जमीन में चारा उगाने हेतु

उपयोग में लाया जाता है। वर्तमान में गौशाला से निकलने वाले गोबर से सी0एन0जी0 प्लान्ट लगाये जाने का कार्य प्रस्तावित है।

जल संरक्षण :—

गौशाला परिसर में जल संरक्षण हेतु राधा सरोवर की स्थापना की गयी है।

<u>हरित क्रॉति :—</u>

गौशाला परिसर को हरा—भरा कराने हेतु नर्सरी की स्थापना की गयी है जिससे गौशाला परिसर के अन्दर अनुपयोगी एवं खालीपडी भूमि के सुन्दरीकरण हेतु समय—समय पर नर्सरी के पौधों से ही लगभग 5000 पौधों से वृक्षा रोपण किया गया है।

ISO 9001:2015 CERTIFICATION:–

वित्तीय वर्ष 2024–25 में कान्हा उपवन गौशाला का ISO 9001:2015 CERTIFICATION प्राप्त करवाने हेतु प्रयास किया गया जो कि एक अंतरराष्ट्रीय मानक है, जिसको प्राप्त करने पर नगर निगम लखनऊ और कान्हा उपवन की ख्याति में वृद्धि हुई ।

<u>राधा उपवन गौशाला ग्राम–जरहरा, इन्दिरानगर :–</u>

कान्हा पशु आश्रय योजना के अन्तर्गत ग्राम–जरहरा, इन्दिरानगर, लखनऊ में राधा उपवन के नाम से नगर निगम की भूमि पर पशु आश्रय का निर्माण कराया गया है, जिसका माह–फरवरी, 2019 से नगर निगम द्वारा संचालन किया जा रहा है, जिसकी क्षमता 500 गोवंशीय पशुओं को रखने की है। गौशाला परिसर के अन्दर घायल, बीमार, एक्सीडेन्टल पशुओं के त्वरित इलाज हेतु एक पशु चिकित्सालय का भी निर्माण कराया गया है, जिसमें पशुओं का इलाज किया जा रहा है।

<u>लक्ष्मण गोशाला, जानकीपुरम :—</u>

लखनऊ नगर निगम के लक्ष्मण गौशाला का संचालन सुरभि शोध संस्थान, लखनऊ सेक्टर—एफ0, जानकीपुरम द्वारा किया जा रहा है। जानकीपुरम स्थित लक्ष्मण गोशाला का निर्माण निराश्रित घायल, एक्सीडेन्टल/दुर्घटनाग्रस्त आदि गोवंशीय पशुओं के आजीवन भरण—पोषण हेतु कराया गया, जिसकी क्षमता 800 पशुओं को रखने की है। उक्त गोशाला द्वारा वर्तमान में लगभग कुल 850 गोवंशीय पशुओं का भरण—पोषण किया जा रहा है, जिनके ऊपर व्यय हो रही धनराशि को लखनऊ नगर निगम द्वारा वहन किया जा रहा है।

श्वान प्रजनन नियन्त्रण केन्द्र

ग्राम–जरहरा, इन्दिरानगर, लखनऊ में राधा उपवन गौशाल में एक पशु प्रजनन नियन्त्रण केन्द्र की स्थापना की गयी है। लखनऊ नगर निगम सीमान्तर्गत विचरण करने वाले ॲवारा कुत्तों के बृहद बधियाकरण हेतु नगर निगम द्वारा ग्राम–जराहरा, इन्दिरानगर, लखनऊ स्थित पशु चिकित्सालय का निर्माण कराया गया है जिसका लोकार्पण मा0 मंत्री, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा दिनांक 12–09–2019 को किया जा चुका है। दिनांक 24–09–2019 से श्वान बधियाकरण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। उक्त कार्य हेतु नगर निगम लखनऊ द्वारा ई0–टेन्डरिंग के माध्यम से कार्यदायी संस्था, ह्यूमन सोसायटी इण्टरनेशनल इण्डिया पता–सी0–10ए0, धनराज महल, यच्ट क्लब के पीछे, सी0एस0एम0 मार्ग, अपोलो बन्डर, मुम्बई–400001 महाराष्ट्र (भारत) का चयन किया गया है। नगर निगम, लखनऊ सीमान्तर्गत विचरण करने वाले आवारा कुत्तों के बृहद sterlization मा0 उच्च न्यायालय द्वारा दिये गये आदेशों के अनुपालन, ए0बी0सी0 डाग रूल्स 2001 एवं भारत सरकार द्वारा जारी गाईड़ लाईन का अनुपालन करते हुये निराश्रित श्वानों के बधियाकरण की कार्यवाही करायी जा रही है।

गेदान

निराश्रित गोवंशों की सेवा में आम जनमानस भी भगीदार बन सकते हैं। दान में भूसा, चोकर तथा हरा चारा भी दिया जा सकता है। गौशाला में प्रतिदिन प्रति पशु लगभग 70–80 रुपये होता है जो 30 दिवस में 2100–2400 के मध्य होता है। इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए बैंक खाते व पशुधन कल्याण कोष के क्यू आर कोड पर गौसेवा/गौग्रास हेतु दान कर सकते हैं।

पशुधन कल्याण कोष, नगर निगम लखनऊ (Pashudhan Kalyan Kosh, Nagar Nigam Lucknow) बैंक खाता विवरण निम्नवत हैः–

Account No.- 0276104000193054
IFSC Code- IBKL0000276
बैंक का नाम/ब्रांच– IDBI, Sneh Nagar Alambagh, Lucknow.

अधिक जानकारी के लिए, श्री अनुज सिंह
(मो0 नं0–9628407979) पर सम्पर्क किया जा सकता है।

विभाग की अन्य उपलब्धियॉः–

- वित्तीय वर्ष 2023–24 में कॉजीहाउस तथा गौशाला मद में कुल रु0 85.405 लाख की आय हुई तथा गौशालाओ को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कुल रु0 52.385 लाख की आय हुई। इस प्रकार कुल रु0 137.79 लाख की आय हुई।
- वित्तीय वर्ष 2024–25 में कॉजीहाउस तथा गौशाला मद में कुल रु0 76,17,700.00 (रु0 छियत्तर लाख सत्रह हजार सात सौ मात्र) की आय हुई तथा गौशालाओ को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कुल रु0 39,67,180.00 (रु0 उन्तालीस लाख सड़सठ हजार एक सौ अस्सी मात्र) की आय हुई। इस प्रकार कुल 1,15,84,880.00 (रु0 एक करोड़ पन्द्रह लाख चौरासी हजार आठ सौ अस्सी मात्र) की आय हुई।
- वित्तीय वर्ष 2023–24 व 2024–25 में घायल एवं दुर्घटनाग्रस्त लगभग 10,000 पशुओं का इलाज कराया गया।
- वित्तीय वर्ष 2023–24 व 2024–25 में नाले, गटर आदि में गिरे 546 पशुओं को निकाल कर उनकी जान बचाई गई।
- वित्तीय वर्ष 2023–24 व 2024–25 में लखनऊ नगर निगम सीमान्तर्गत अवैध रूप से संचालित दूध डेयरियों को हटाये जाने हेतु सम्बन्धित दूध डेयरी स्वामियों को 2200 नोटिस भेजी गई।
- वित्तीय वर्ष 2023–24 व 2024–25 में लखनऊ नगर निगम सीमान्तर्गत विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित दूध डेयरियों को हटाने हेतु 35 अभियान चलाये गये।
- वित्तीय वर्ष 2023–24 व 2024–25 में 1200 दूध डेयरी स्वामियों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की गई।
- वित्तीय वर्ष 2023–24 व 2024–25 में 123 दुधरु पशुओं का लाईसेंस निर्गत किया गया।
- वित्तीय वर्ष 2023–24 व 2024–25 में 500 मृतक पशुओं के शवों का निस्तारण कराया गया।
- पुलिस बल एवं प्रवर्तन बल के सहयोग से लगभग 191 अवैध डेयरियों को हटाते हुए डेयरी पुनर्स्थापित न होने पाए इस हेतु मा0 उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में सम्बंधित पुलिस उपायुक्त को पत्र प्रेषित किया गया।
- वर्ष 2023–24 में कुल 5680 श्वानों की अनुज्ञप्ति जारी की गई जिनसे नगर निगम को रु0 48,30,000.00 (रु0 अड़तालीस लाख तीस हजार मात्र) आय हुई।
- वर्ष 2024–25 में नागरिकों की सुविधा के लिए डॉग लाइसेन्स ऑनलाईन बनवाने की प्रक्रिया भी प्रारम्भ कर दी गयी।
- वर्ष 2024–25 में कुल 6086 श्वानों की अनुज्ञप्ति जारी की गई जिनसे नगर निगम को रु0 5044800.00 (रु0 पचास लाख चौवालीस हजार आठ सौ मात्र) आय हुई।
- वर्ष 2023–24 में कुल 21141 आवारा श्वानों का सफल बंध्याकरण तथा एंटीरैबीज वैक्सीनेशन किया गया।
- वर्ष 2024–25 में कुल 14847 आवारा श्वानों का सफल बंध्याकरण तथा एंटीरैबीज वैक्सीनेशन किया गया है।